

ख़बर संक्षेप

अमाविप की मांगों का असर, शासकीय महाविद्यालय जैतपुर विकास कार्यों को मिली गति

शहडोल। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अमाविप) शहडोल द्वारा शासकीय महाविद्यालय जैतपुर में व्याप्त विभिन्न समस्याओं के निराकरण को लेकर पूर्व में प्रशासन के समक्ष ज्ञापन सौंपकर मांगें रखी गई थीं। परिषद द्वारा महाविद्यालय तक पक्की सड़क, परिसर की सुरक्षा के लिए बाउंड्री वॉल, खेल मैदान, साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था, गल्ट्स गार्डन, प्रयोगशाला सहित विद्यार्थियों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं के शीघ्र निराकरण की मांग की गई थी। परिषद द्वारा रखी गई मांगों के बाद महाविद्यालय में विकास कार्य प्रारंभ हुए हैं। महाविद्यालय तक सड़क निर्माण का कार्य शुरू हो गया है तथा परिसर की बाउंड्री वॉल का निर्माण भी पूर्ण किया जा चुका है। इससे विद्यार्थियों को आवागमन एवं परिसर की सुरक्षा संबंधी सुविधाओं में सुधार मिलने की उम्मीद है। अमाविप ने कहा कि विद्यार्थी हित में उठाई गई मांगों पर प्रशासन द्वारा की गई कार्रवाई स्वागत योग्य है। परिषद का उद्देश्य किसी भी प्रकार का विवाद खड़ा करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद शहडोल ने विद्यार्थी हित में की गई कार्रवाई के लिए प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर लिए गए खाद्य पदार्थों के नमूने



शहडोल। आयुक्त एवं नियंत्रक खाद्य सुरक्षा के आदेशानुसार होटल एवं रेस्टोरेन्ट में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर पाथं जयसवाल के निर्देश एवं अभिहित अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा प्रशासन शहडोल द्वारा निरंतर कार्रवाई की जा रही है। खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीम द्वारा बुढ़ार, धनपुरी, जैतपुर, ब्यौहारी एवं शहडोल के 10 से अधिक खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान खाद्य पदार्थों के 10 नमूने जैतपुर प्रयोगशाला भेजे गए। इसके साथ ही डेयरी प्रतिष्ठानों में दूध की स्पॉट टेस्टिंग की गई, जिसमें शुगर, यूरिया, सोप एवं स्टार्च की मौके पर जांच की गई। जांच एवं निरीक्षण के दौरान मिडवे ट्रैट, अन्य रेस्टोरेन्ट व स्वीट्स एवं पंगत रेस्टोरेन्ट ब्यौहारी, विलासा इंटरनेशनल, जलसा फास्ट फूड बुढ़ार, डीमोनोज पिछ्ठा, इंडियन कॉफी हाउस शहडोल, केशवाही स्थित शांति रेस्टोरेन्ट सहित अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान किचन, स्टोर एवं वाणिज्य धरिया के रख-रखाव में कमी पाए जाने पर 5 प्रतिष्ठानों को सुधार सूचना नोटिस जारी किए गए हैं। नोटिस की कार्रवाई एवं खाद्य पदार्थों के नमूनों की जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार युवक घायल, इलाज के दौरान मौत

शहडोल। जिले के ब्यौहारी थाना क्षेत्र में अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल हुए बाइक सवार युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलते ही डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची और घायल युवक को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान ब्यौहारी थाना क्षेत्र के ग्राम बरहा टोला निवासी राकेश कोल उम्र 25 वर्ष पिला मोले राम कोल के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि युवक दरोगा पुलिस के पास घायल अवस्था में मिला था। उसके शरीर पर चोट के निशान थे। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस टीम ने उसे अस्पताल पहुंचाया, लेकिन उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना के बाद पुलिस ने मृतक के शव का पंचनामा कार्रवाई कर पोस्टमार्टम कराया। पुलिस ने मामले में कर्म कायम कर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल युवक की टक्कर मारने वाले अज्ञात वाहन और उसके चालक की जानकारी जुटाई जा रही है।

आधा माल बरामद, मुख्य आरोपी गिरफ्तार, दूसरा फरार 80 लाख की योजना पर चोरों ने लगाया ब्रेक, पुलिस ने किया खुलासा

शहडोल। ग्रामीणों के घर तक पानी पहुंचाने के उद्देश्य से करीब 80 लाख रुपए की लागत से तैयार की जा रही नल जल योजना बिजली सप्लाई शुरू होने से पहले ही चोरों के निशाने पर आ गई। ट्रांसफॉर्मर से महत्वपूर्ण पाट्स चोरी होने के कारण योजना का काम प्रभावित हो गया। बुढ़ार पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी का काफ़ी सामान बरामद किया है, जबकि उसका साथी फरार है।

बिजली चालू करने पहुंचे तो खुला राज

मामला बुढ़ार थाना क्षेत्र के ग्राम चिटुहला का है। जनपद पंचायत बुढ़ार अंतर्गत ग्राम चिटुहला में नल जल योजना के तहत पानी की टंकी का निर्माण कराया गया है। योजना के माध्यम से ग्रामीणों के घरों तक पाइप लाइन के जरिए पानी पहुंचाया जाना है। पानी की टंकी सहित योजना से जुड़े अधिकांश कार्य पूरे हो चुके थे और बिजली कनेक्शन शुरू होने के बाद जलापूर्ति प्रारंभ किए जाने की तैयारी थी। योजना का काम कर रहे ठेकेदार ब्रजेश कुमार तिवारी द्वारा बिजली सप्लाई के लिए नया ट्रांसफॉर्मर लगवाया गया था। इसी बीच 4 और 5 सितंबर की दरमियानी रात अज्ञात चोरों ने ट्रांसफॉर्मर को निशाना बनाया। चोरों ने ट्रांसफॉर्मर के अंदर लगे महत्वपूर्ण एवं कीमती पाट्स निकाल लिए और मौके से फरार हो गए।

जांच में दो युवकों पर संदेह

बिजली सप्लाई चालू करने पहुंचे जिम्मेदारों ने जब ट्रांसफॉर्मर की जांच की तो उसके अंदर के कई पाट्स गायब मिले। इसके बाद मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। बुढ़ार पुलिस ने प्रकरण की जांच शुरू करते हुए घटनास्थल का निरीक्षण किया और आसपास के ग्रामीणों से पूछताछ की। पूछताछ के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि घटना के कुछ दिन पहले गांव के ही योगेश कोल और



श्याम कोल ट्रांसफॉर्मर के आसपास संदिग्ध परिस्थितियों में घूमते हुए देखे गए थे। इसके बाद पुलिस ने दोनों पर निगरानी शुरू की और मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया।

जंगल से बरामद हुआ चोरी का सामान

पुलिस ने आरोपी योगेश कोल की निशानदेही पर विक्रमपुर जंगल में छिपाकर रखे गए ट्रांसफॉर्मर के कई महत्वपूर्ण पाट्स बरामद किए हैं। पुलिस का कहना है कि चोरी किए गए सामान का एक हिस्सा आरोपियों द्वारा कबाडिओं को बेचने का प्रयास भी किया गया था। हालांकि कुछ कबाडियों ने सामान खरीदने से इनकार कर दिया। इसके चलते चोरी का कुछ सामान आरोपियों के पास ही रह गया, जिसे पुलिस ने बरामद कर लिया। पुलिस अब यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि चोरी के दौरान कुल कितने पाट्स निकाले गए और उन्में से कितना सामान

अभी बरामद होना बाकी है।

पूछताछ में सामने आई चोरी की कहानी

पुलिस ने योगेश कोल को पकड़कर पूछताछ की। पुलिस के मुताबिक पूछताछ के दौरान योगेश ने अपने साथी श्याम कोल के साथ मिलकर ट्रांसफॉर्मर के पाट्स चोरी करने की बात स्वीकार की। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने चोरी के सामान को विक्रमपुर जंगल में आम के पेड़ के नीचे गाड़कर छिपाया था। इसके बाद चोरी किए गए सामान को दोनों ने आपस में बांट लिया और अलग-अलग चले गए।

दूसरा आरोपी अभी पुलिस गिरफ्त से बाहर

मामले में पुलिस ने योगेश कोल को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि उसका सहयोगी श्याम कोल फरार बताया जा रहा है।

डबल इंजन की सरकार, फिर भी दर-दर की ठोकरें खा रहे पार्षद विधायक-सांसद की चौखट नापने के बाद संभागायुक्त के आगे टेके घुटने

शहडोल। राजनीति के रंगमंच

पर अगर आपको सत्ता के रसूख और प्रशासनिक बेबसी का अद्भुत और हास्यास्पद संगम देखना हो, तो शहडोल चले आइए, शहडोल सचमुच अजब है और यहां का प्रशासनिक तंत्र गजब है। प्रदेश में पिछले 25 वर्षों से भारतीय जनता पार्टी की सरकार है, केंद्र में 13 सालों से भाजपा की डबल इंजन सरकार का ढोल बज रहा है, क्षेत्र में भाजपा के विधायक हैं, भाजपा की ही सांसद हैं और नगर पालिका में भी पार्षदों का कब्जा है। जिस प्रदेश में अपने हिसाब के अधिकारियों की जमावट करने की शैली बघारी जाती है, उसी सत्ताधारी दल के पार्षद आज अपनी ही सरकार में ऐसा उपेक्षित महसूस कर रहे हैं कि विधायक और सांसद के चौखट की नाप-जोख करने के बाद उन्हें संभागायुक्त के दरबार में गुहार लगानी पड़ रही है। सत्ता का यह बेबस चेहरा देखकर जनता भी हंस रही है और पूछ रही है कि जब अपनों की ही नहीं सुन रहे अफसर, तो आम जनता किस खेत की मूली है? मामला शहडोल नगर पालिका परिषद का है, जहां नगर के 39 वार्डों के विकास पर विभागीय



अधिकारियों ने ताला जड़ दिया है। संयुक्त पार्षद मंच के बैनर तले एकजुट हुए पार्षदों ने नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के खिलाफ मोर्चा तो खोल दिया, लेकिन इस मोर्चे में न तो तीखा आक्रोश है और न ही आंदोलन की कोई आक्रामक रणनीति बस गिडगिड़ाती हुई एक गुहार है। पार्षदों का कहना है कि वे अपने-अपने वार्डों में रोड, नाली, पेयजल और विद्युत पोल लगाने के लिए मांग पत्र प्रस्तुत करते हैं। निकाय स्तर से स्वीकृति मिलने के बाद जब फाइलें तकनीकी स्वीकृति के लिए कार्यपालन यंत्री , नगरीय प्रशासन एवं विकास संभागीय कार्यालय पहुंचती हैं, तो वहां बैठे साहब फाइल में कोई न कोई त्रुटि बताकर उसे बार-बार निरस्त कर देते हैं।

बीते 2 सालों से फाइलों का यह खेल चल रहा है, जिससे पूरा शहर विकास से महरूम है। सोचिए, जिस सरकार का नारा सुशासन का हो, उसी के अधिकारी अपने ही दल के पार्षदों को फाइल-फाइल खिलाकर छका रहे हैं। प्रशासनिक कुप्रबंधन की पोल खोलते हुए पार्षदों ने कागजों पर सांप लिखा है कि पिछले 1 साल में नगर पालिका में 03 मुख्य नगर पालिका अधिकारी बदल दिए गए। संभागीय कार्यालय का लहा है और भी हास्यास्पद है, यहां कार्यपालन यंत्री के 02 पद स्वीकृत होने के बावजूद केवल 01 ही अफसर के भरोसे काम चलाया जा रहा है और उस पर भी साल भर में 02 ईई बदल डाले गए। जब अधिकारी कुर्सी पर टिकेंगे ही नहीं, तो विकास की फाइलें दराजों में ही



धूल खाएंगी। दूसरी ओर, सीवर प्रोजेक्ट के नाम पर पिछले 2 सालों से पूरे शहर का सीना छलनी कर दिया गया है। सीवर कंपनी बिना किसी योजना के, जहां मन में आए सड़क खोदकर चंपत हो जाती है। न काम समयसीमा पर पूरा हो रहा है और न ही वार्ड पार्षदों को इसकी कोई जानकारी दी जाती है। जब जनता धूल और कीचड़ में घिसट रही थी, तब यही पार्षद गहरी नींद में सोए हुए थे। अब जब जनता का गुस्सा उबलने लगा, तो अपनी साख बचाने के लिए विपक्षी कांग्रेस पार्षदों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कमिश्नर दफ्तर में अर्जी लगाने पहुंच गए। बुढ़ार चौक से न्यू बस स्टैंड तक की सड़क आज भी बदहाली के आंसू रो रही है, लेकिन किसी जिम्मेदार को फिक्र नहीं है।

जब शहर में कोई छोटा-मोटा काम भी होता है, तो भाजपा के बड़े नेता फीता काटने और विकास के कसीदे पढ़ने सबसे आगे खड़े हो जाते हैं। मगर आज जब अधिकारी सत्ताधारी दल के पार्षदों को ठेंगा दिखा रहे हैं और 39 वार्डों का विकास रुका पड़ा है, तो यही तथाकथित दिग्गज नेता मौन त्रय धारण किए हुए हैं।

विपक्ष के सहयोग से ही सही, पार्षदों ने संभागायुक्त के आगे दुखड़ा तो रो दिया है, लेकिन इस पूरे घटनाक्रम में कहीं भी व्यवस्था के खिलाफ कड़े आंदोलन की चेतावनी तक नहीं दी गई। इससे साफ जाहिर होता है कि नौकरशाही का खोफ जनप्रतिनिधियों पर इस कदर हावी है कि वे अपने हक के लिए भी खुलकर आंखें दिखाने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं।

कृत्रिम कुंडों में होगा मूर्तियों का विसर्जन प्राकृतिक रंगों और इको-फ्रेंडली प्रतिमाओं को बढ़ावा

शहडोल। आगामी त्योहारों के आगमन के साथ ही नगर में मकित और उत्साह का माहौल छा गया है। इस बार आस्था के इस महापर्व में पर्यावरण संरक्षण का एक नया और सकारात्मक अध्याय जुड़ने जा रहा है। मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड क्षेत्रीय कार्यालय, शहडोल तथा स्थानीय नगरपालिका प्रशासन ने मिलकर यह संकल्प लिया है कि हमारी पवित्र नदियों और जलाशयों को दूषित होने से बचाते हुए सभी धार्मिक परंपराओं को पूर्ण सम्मान के साथ निमाया जाएशा।

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि वे प्रतिमाओं का विसर्जन सीधे नदियों अथवा प्राकृतिक तालाबों में करने के बजाय प्रशासन द्वारा बनाए गए विशेष अस्थाई विसर्जन कुंडों (रिजवॉयर) में ही करें। इससे जल स्रोतों में घुलनशील ऑक्सीजन की मात्रा संतुलित रहेगी और जलीय जीवन पर किसी प्रकार का प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। पर्यावरण को स्वच्छ और निर्मल बनाए रखने के लिए बोर्ड ने कुछ सरल एवं प्रभावकारी उपाय साझा किए हैं। विसर्जन से ठीक पहले मूर्तियों से बांस, रस्सी, कपड़े, प्लास्टिक, सिंथेटिक फूल व अन्य पूजन सामग्री को अलग कर लें। पीओपी तथा जहरीले रसायनों से बने रंगों की जगह प्राकृतिक मिट्टी और पर्यावरण-अनुकूल रंगों से निर्मित छोटी मूर्तियों की स्थापना को प्राथमिकता दें। इको-फ्रेंडली व रीसायकल होने योग्य पदार्थों के प्रयोग से मूर्तियों का निर्माण करें। माननीय उच्चतम न्यायालय के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए, रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक ध्वनि विस्तारक रंगों (लाउडस्पीकर) के प्रयोग पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। इसके अलावा अस्पताल, न्यायालय और शिक्षण संस्थानों जैसे शांत क्षेत्रों के समीप लाउडस्पीकर का उपयोग न करने की सलाह दी गई है। लाइफस्टाइल



फॉर एनवायरनमेंट पहल के तहत प्रशासन का मानना है कि सामूहिक प्रयास से ही प्रकृति की रक्षा संभव है। जन-सामान्य की जागरूकता और सहयोग से इस वर्ष का विसर्जन पर्व न केवल भक्तिमय रहेगा, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक मिसाल कायम करेगा।

आज से पांच दिवसीय

हाथी महोत्सव कार्यक्रम

उमरिया। क्षेत्र संचालक बांधवगढ टाईगर रिजर्व अनुपम सहाय ने बताया कि पांच दिवसीय हाथी महोत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ 24 सितंबर को प्रातः 10 बजे से परासी गेट से होगा। यह कार्यक्रम 28 सितंबर तक आयोजित होगा। इस दौरान हाथी संरक्षण जागरूकता, संवाद, स्वास्थ्य परीक्षण, पुनर्प्राप्तीकरण एवं अन्य गतिविधियां आयोजित की जाएगी।

वीवीआरपी- जीपीडीपी

एकीकरण हेतु जिला स्तरीय

समन्वय समिति गठित

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की अध्यक्षता में वीपीआरपी-जीपीडीपी एकीकरण हेतु जिला स्तरीय समिति का गठन किया गया है। समिति में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अमय सिंह सचिव होगे। इसी तरह वन मंडलाधिकारी, उप संचालक कृषि, उप संचालक उद्यानिकी, उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं, कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय, जल संसाधन, जिला परियोजना समन्वयक सर्व शिक्षा अभियान, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग, सीएमएचओ, जिला रोजगार अधिकारी, परियोजना अधिकारी व्याय विभाग, कार्यपालन यंत्री गामीनी यांत्रिकीय सेवा, जिला संयोजक आराम जति कल्याण,जिला संयोजक अनुसूचित जाति कल्याण, जिला खाद्य अधिकारी, परियोजना अधिकारी खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता विभाग, परियोजना अधिकारी मनरेगा, सहायक संचालक मत्स्य, जिला समन्वयक एस बी एम, प्रमारी अधिकारी कुटीर एवं वामोद्योग जिला पंचायत, जिला परियोजना प्रबंधक एन आर एल एम, प्रमारी अधिकारी प्रधानमंत्री आवास, जिला पंचायत सदस्य बेला सिंह सैयाम, सरिता परस्ते को सदस्य बनाया गया है। जिला समन्वय समिति की प्रथम बैठक 28 सितंबर को प्रातः 11 बजे से कलेक्टर सभागार में आयोजित की गई है।

28 सितंबर को जिला

कोशल समिति की बैठक

उमरिया। जिले में कोशल विकास की विभिन्न योजनाओं में आवंटित लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु योजनाओं की मानीटरिंग हेतु जिला कोशल समिति की बैठक 28 सितंबर को समय सीमा की बैठक पश्चात आहूत की गई है। बैठक में सर्व संबंधितों से उपस्थिति की अपेक्षा की गई है।

उमंग हेल्थ एंड वेलनेस कार्यक्रम के अंतर्गत मनाया गया उमंग दिवस

कोतमा। पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, पोड़ी चौडी में

मंगलवार को उमंग हेल्थ एंड वेलनेस कार्यक्रम के अंतर्गत उमंग दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. संगीता प्रजापति उपस्थित रहें। साथ ही सीएससी कोतमा से उमंग हेल्थ एंड वेलनेस कार्यक्रम की काउंसलर श्रीमती शीतल केशरवाणी, श्रीमती भारती केवट तथा अन्य सामाजिक प्रतिनिधियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम को शुरुआत उमंग कॉनर्क वे फीता काटकर एवं दीप प्रज्जलित कर किया गया। उमंग दिवस का मुख्य उद्देश्य शिक्षार-किशोरियों को स्वास्थ्य, स्व-जागरूकता, आत्म-मूल्या, मानसिक स्वास्थ्य, पोषण, लैंगिक समानता, साइबर सुरक्षा तथा जीवन की चुनौतियों का सकारात्मक रूप से सामना करने के प्रति जागरूक करना है। विद्यार्थियों को अपनी समस्याओं को समझने, विश्वसनीय व्यक्ति से संवाद करने तथा स्वस्थ एवं सुरक्षित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि डॉक्टर संगीता प्रजापति के द्वारा विद्यार्थियों को स्वास्थ्य एवं कल्याण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकार दी गई। विद्यार्थियों ने भी विभिन्न गतिविधियों में उत्साहपूर्वक सहभागिता की। पीएमश्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पोड़ी चौडी के प्राचार्य राजू केवट के द्वारा विद्यालय परिवार की ओर से स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया कार्यक्रम का सफल संचालन उमंग प्रमारी पार्वती वर्मा के द्वारा किया गया।

पाली में आज आयोजित होने वाला मुख्यमंत्री जन विश्वास शिविर स्थगित

उमरिया। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत 24 सितंबर को पाली में आयोजित होने वाला जन विश्वास शिविर स्थगित कर दिया गया है। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने बताया कि अर्न्त चतुर्दशी पर्व पर 25 सितंबर को जिले में स्थानीय अवकाश रहेगा तथा गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन 26 सितंबर तक जारी रहेगा। शासन द्वारा दिए गए निर्देश के परिपालन में तथा गणेश प्रतिमा विसर्जन के कारण कलेक्टर द्धारा 24 सितंबर को पाली में आयोजित किए जाने वाला जन विश्वास शिविर स्थगित कर दिया गया है।

कंचनपुर में उफनती धार पार कर सुपुर्द-ए-खाक हुए मुजीबुर्हमान विकास की नदी में बहती व्यवस्था

ज्वालामुखी में दो बार बह गई अरथी

उमरिया। साहब! जब इंसान जिंदा रहता है, तो उसे सड़क, बिजली, रोजगार और रोटी के नाम पर बड़े-बड़े जुमलों के ढोल-नगाड़ों की थाप सुनाई जाती है, लेकिन अगर आप उमरिया जिले के वांशिदे हैं, तो जरा संभलकर मरिएगा, क्योंकि यहां जंदगी में तो सुविधाएं नसीब नहीं ही होतीं, मौत के बाद भी आपको सुरक्षित दफन या अंतिम संस्कार की गारंटी नहीं मिलेगी। यहां की संवेदनहीन और अंधी-बहरी व्यवस्था का ताजा मिसाल देखना हो, तो नौरोजाबाद के ग्राम कंचनपुर और जिला मुख्यालय के ज्वालामुखी टोला चले आइए, जहां रमशान और कब्रिस्तान तक पहुंचने के लिए मुर्दों को भी दरियादिली नहीं, बल्कि उफनती नदी की खूनी धार से गुजरना पड़ता है।

अंतिम सफर में जान का जोखिम

मंगलवार को कंचनपुर निवासी मुजीबुर्हमान का दिल का दौरा पडने से इंतकाल हो गया। परिजन रोते-बिलखते बुधवार को उनके जनाजे को सुपुर्द-ए-खाक करने कब्रिस्तान ले जाने लगे। कब्रिस्तान तक पहुंचने का रास्ता किसी मौत के कुएं की राह से कम नहीं था। रास्ते में थी 4 से 5 फीट गहरी नदी, जिसकी तेज धार यह पूछ रही थी कि क्या जिंदा रहते तुम्हें सड़क मिली थी जो अब पुल ढूँढ रहे हो? अंततः मजबूरी में लोग अपनी जान हथेली पर रखकर, कांधे पर जनाजा उठाकर 5 फीट गहरे बहते पानी के बीच उतरे। पानी इतना गहरा और बहाव इतना तेज था कि गांव के दर्जनों बुजुर्ग, बच्चे और



हिम्मती लोग चाहकर भी नदी पार करने का जोखिम नहीं उठा सके। वे लाचार होकर किनारे खड़े रहे और अपने अजीज को आखिरी मुी मिट्टी देने से भी महरूम रह गए। यह सिर्फ मुजीबुर्हमान के परिजनों का दर्द नहीं है, बल्कि सिस्टम की छाती पर वह मटमैला पानी है, जो हर बार चुनाव के वक्त दावों के रूप में बहता है और चुनाव बीतते ही जनता को डूब मरने के लिए छोड़ देता है।

त्योहारों में शांति व्यस्था बनाने पुलिस ने बढ़ाई गस्त, खुद सड़क पर उतर बना रहे व्यवस्था



पुलिस ने शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए गस्त बढ़ाई

कोतमा। नगर में अव्यवस्थित यातायात व्यवस्था एवं बाजार की सड़कों पर अतिक्रमण के कारण हर घंटे जाम की स्थिति को लेकर बैठक मे नागरिकों ने प्रशासन एवं पुलिस को बताया कि त्यौहार शुरू हो गया है। गणेश चतुर्थी एवं जैन समाज का पर्पूषण पर्व जिसके कारण बाजार मे लोगो का आना जाना बने रहने के साथ ही धार्मिक स्थलों के सामने वाहनों के खड़े होने के कारण मंदिरों मे दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को परेशानी होगी। नगर में शुरू हो रहे पर्व गणेश चतुर्थी, पर्पूषण के दौरान शांति, सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने को लेकर मंगलवार की देर शाम थाना प्रभारी रत्नांबर शुक्ल पुलिस टीम के साथ खुद नगर के मुख्य मार्गों पर पैदल चलते हुए नगर को व्यवस्था का निरीक्षण किया।

नगर में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए गस्त बढ़ाई

नगर के पंचायती मंदिर रोड, स्टेशन चौक, गांधी चौक, आजाद चौक, पुराने स्टेट बैंक, महावीर मार्ग, बस स्टैंड सहित अन्य मार्गों का भ्रमण कर वाहन चालकों एवं व्यापारियों को समझाइस देते हुए सड़क पर दुकानों का समान हटाने एवं चिन्हित लाइन के बाहर दुकान न लगायें जाने के निर्देश दिए। थाना प्रभारी ने बताया कि लगातार चल रहे सभी धर्मों के पर्व को शांति, सौहार्द एवं उत्साह पूर्वक मनाए जाने को लेकर प्रतिदिन शाम को पैदल नियमित रूप से नगर की गलियों मे घूमकर सड़कों पर अतिक्रमण एवं वाहनों के अव्यवस्थित खड़े होने की व्यवस्था का जायजा लेंगे नही मानने पर ऐसे वाहनों की जो सड़क पर लावारिस खड़े रहते हैं उन्हें थाने ले जाते हुए कार्यवाही की जाएगी। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में

नगर में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए गस्त बढ़ाई

सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ बनाने एवं यातायात सुधार को लेकर व्यापारियों को समझाइस देते हुए बीच सड़क पर सामान, दुकान बोर्ड एवं वाहन ना खड़े करने की अपील की गई। आगामी दिनों पूरे पर्व के दौरान प्रतिदिन कस्बा पैदल भ्रमण किया जाएगा। इस दौरान स्टेशन परिसर एवं बस स्टैंड के पास डेरे में रहने वालों की जांच की गई। थाना प्रभारी रत्नाम्बर शुक्ल का कहना है कि त्यौहार पर महिलाओं की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर धार्मिक एवं सार्वजनिक स्थानों पर भोर होते ही धार्मिक स्थलों सहित मुख्य मार्ग मे पुलिस की ड्यूटी लगाई जाएगी। महिलाओं की सुरक्षा प्रथम जिम्मेदारी है। साथ ही नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रो में भी लगातार पेट्रोलिंग बढ़ाई जाएगी।

खनिज विभाग की मौखिक अनुकंपा से जोहिला पुल छलनी सोनकर का ट्रैक्टर, जैन पेट्रोल पंप की जमीन और मुफ्त की मिट्टी



उमरिया। जिले में अगर आपको बिना किसी झंझट, बिना रॉयल्टी और बिना किसी कानूनी पचड़े के अवैध उत्खनन करना हो, तो कागजी अनुमति या कागजगत बनवाने में अपना वक्त मत गंवाइए। सीधे खनिज विभाग के दफ्तर पधारिए, साहब की चौखट पर माथा टेकिए और मौखिक सहमति का अमृत प्रसाद लेकर लौट आइए। उमरिया का खनिज महकमा इन दिनों किसी विभाग की तरह नहीं, बल्कि लूट सको तो लूटो योजना के अधिकृत काउंटर की तरह काम कर रहा है। ताजा मामला नौरोजाबाद-उमरिया मार्ग पर स्थित ऐतिहासिक जोहिला पुल के पास का है, जहां सोनकर नामक महाशय का ट्रैक्टर बेधडक गरज रहा है और जोहिला नदी के किनारे का सीना छलनी कर जैन पेट्रोल पंप के लिए धड़ल्ले से मिट्टी खोदी जा रही है।

सोनकर का ट्रैक्टर, जैन पेट्रोल पंप पर मेहरबानी

सवाल यह उठता है कि आखिर

जैन पेट्रोल पंप के निर्माण के लिए खनिज विभाग पर ऐसी कौन सी विशेष अनुकंपा बरस गई कि नियम-कायदा को ताक पर रखकर मौखिक हरी झंडी दे दी गई? सोनकर के ट्रैक्टर बिना किसी डर के दिन-रात मिट्टी ढो रहे हैं, जैसे जोहिला पुल का किनारा उनकी पैतृक जायदाद हो। विभाग के मुखिया और उनके मुलाजिमों को सब मालूम है, लेकिन साहब की जुबान से निकली मौखिक सहमति ने कानून के हाथ बांध दिए हैं। लगता है खनिज महकमे ने अब खाकी और कानून का डर पूरी तरह उतार फेंका है। वैसे भी, अवैध उत्खनन और परिवहन करने वालों को अपनी छत्रछाया में पलने-पोसने के आरोप झेलना अब इस विभाग की पुरानी आदत बन चुकी है। खनिज विभाग इस बेशर्मी का इतना आदी हो चुका है कि अपने ऊपर बैठे आला अधिकारियों को कैसे पटना और समझाना है, इसमें इन्हें महारत हासिल है। मजे की बात देखिए कि ऊपर बैठे जिम्मेदार अफसर भी बड़े

भोले हैं, वे भी तुरंत समझ जाते हैं।

पटवारी के भरोसे अवैध उत्खनन की रोकथाम

जब मीडिया की नजर इस खुले खेल पर पड़ी और एसडीएम मीनाक्षी बंजारे से बात की गई, तो उन्होंने बड़े इतमीनान से फरमाया पटवारी को मौके पर भेजा जा रहा है। जहां खनन माफिया के बुलडोजर और ट्रैक्टर बेधडक गरज रह हों, जहां खनिज विभाग खुद जेबें गरम करके बैठा हो, वहां एक अदना सा पटवारी जाकर क्या कर लेगा? क्या पटवारी में इतनी ताकत है कि वह खनिज विभाग की मौखिक सहमति वाले सोनकर के ट्रैक्टरों को जब्त कर ले? यह तो वही बात हुई कि शेर के सामने बकरी को पहरेदार बनाकर खड़ा कर दिया जाए, अब देखना यह है कि इस खबर के सामने आने के बाद खनिज महकमा जागता है या हमेशा की तरह मीडियाकर्मियों को ही झूठा ठहराने की अपनी पुरानी कला का प्रदर्शन करता है।

जमुनिया प्राथमिक विद्यालय में श्रीकांत शुक्ला ने बच्चों को बांटी घड़ियां और मिठाई

बदरा/जमुना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर 21 सितंबर को हिंद कोयला मजदूर सभा जमुना-कोतमा क्षेत्र के अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद प्रतिनिधि श्रीकांत शुक्ला ग्राम पंचायत जमुनिया स्थित शासकीय प्राथमिक पाठशाला पहुंचे। यहां उन्होंने स्कूली बच्चों को उपहार स्वरूप घड़ियां एवं मिष्ठान वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया। उपहार पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे। इस दौरान विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं, अभिभावक, बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान श्रीकांत शुक्ला ने विद्यालय की मूलभूत समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हुए शासन-प्रशासन से भवन की कमी दूर करने,



पेयजल की समुचित व्यवस्था कराने तथा प्राथमिक विद्यालय को पांचवीं से बढ़ाकर आठवीं कक्षा तक उन्नत करने की मांग की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के इस विद्यालय में शत-प्रतिशत बच्चे आदिवासी एवं गरीब परिवारों से आते हैं। ऐसे में इन बच्चों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना शासन-प्रशासन और समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में कक्षा पहली से पांचवीं तक के विद्यार्थियों को उपहार प्रदान किए गए। इनमें कक्षा पहली की आयुषी सिंह, सुहानी सिंह, पूजा कॉल, सखी बैग, साहिल सिंह, कृष्ण सिंह, प्रियंका यादव, आदित्य सिंह एवं पीछू सिंह सहित अन्य विद्यार्थी शामिल रहे। कक्षा दूसरी में अंकिता सिंह, जानवी सिंह, पल्लवी सिंह, अभि सिंह, पूर्व सिंह, पुष्पेंद्र भारतीय, कृष्ण भारतीय, समीर सिंह एवं चंदन भारतीय को पुरस्कृत किया गया। कक्षा तीसरी की राधा सिंह, माही सिंह, अनीशा सिंह, पलक सिंह एवं प्रिया सिंह को भी उपहार प्रदान किए गए। इसी प्रकार कक्षा चौथी की श्रेया सिंह, रागनी कॉल, राजेश सिंह, राजी सिंह, दीपक भरिया, मनोज भारतीय, रानी भारतीय, प्रदीप कक्षा एवं अभिनंदन भारतीय सहित कक्षा पांचवीं के विद्यार्थियों रितिका यादव, प्रभा सिंह, आकांक्षा सिंह एवं सुनील सिंह को उपहार देकर सम्मानित किया गया।

कम एक रफटा ही बनवा दीजिए, लेकिन साहबों के कानों पर जूं तक नहीं रंगी।

25 साल का सुशासन और 13 साल का अमृत काल

अब जरा उस राजनैतिक गणित पर भी नजर डालिए, जिसका ढोल सुबह से शाम तक टेलीविजन और पोस्टरों में पीटा जाता है। पिछले 25 सालों से प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। उमरिया की सीट पर भी सालों-साल से भाजपा के ही विधायक काबिज हैं। केंद्र में भी 13 वर्षों से भाजपा की डबल इंजन की सरकार बड़े-बड़े मंचों से अमृत काल और विश्व गुरु बनने के कसौदे पड़ रही है, लेकिन यह कैसा विकास है, जो 21वीं सदी के भारत में जनता को 18वीं सदी के उस काले दौर की याद दिलाता है जहां न रास्ते थे, न पुल थे? नीचे से लेकर ऊपर तक बैठे नेताओं और मंत्रियों का विकास सिर्फ कागजों पर दौड़ता है या फिर ठेकेदारों की जेबें गर्म करता है। क्या यही है आपका सबका साथ, सबका विकास? जहां एक जिंदा इंसान अपने हक की सड़क मांगते-मांगते मर जाता है और मुर्दा होने के बाद भी उसे उफनती नदी में अपनी गरिमा का जनाजा निकालना पड़ता है? अगर हुक्मरानों में जरा सी भी गैरत और संवेदना बची है, तो तुरंत कंचनपुर की नदी और ज्वालामुखी के मरघटी मार्ग पर पक्के रफटे और पुल का निर्माण कराएं। वरना याद रखिए, जनता जब इस नाकामी का हिसाब मांगेगी, तो आपके ये कागजी विकास के पुल ताश के पत्तों की तरह ढह जाएंगे।

4.30 करोड़ का गड्ढा स्मारक साल भर में मानपुर बाईपास छलनी

नगर परिषद का चहेता

ठेकेदार सड़क खोदकर

बेफिक्र अंधा प्रशासन भर

रहा खरटि

मानपुर। नगर परिषद का चहेता

मानपुर। अगर आपको यह गलतफहमी है कि सरकारी खजाने के करोड़ों रुपये जनता की सुविधा के लिए बहाए जाते हैं, तो जरा मानपुर बाईपास सड़क की दुर्दशा देख आइए। महज 12 महीने पहले जिस सड़क पर 4 करोड़ 30 लाख रुपये की मोटी मलाई चिंकाई गई थी, आज वह सड़क नहीं, बल्कि राहगीरों के लिए नरक का द्वार बन चुकी है। नाली क्रॉसिंग के नाम पर तीन महीने पहले नगर परिषद मानपुर के ठेकेदार अंकित सोनी ने इस चमचमाती सड़क के सीने पर जो बुलडोजर चलाया, उसके बाद महकमा ऐसा सोया कि मानो इसे विधिवत गड्ढा स्मारक घोषित कर दिया गया हो। सड़क खोदकर ठेकेदार साहब तो चैन की नींद सो रहे, लेकिन रोजाना बुजुर्गों से गुजरने वाले राहगीरों, चूचुर्गी और स्कूली बच्चों के लिए यह सड़क जानलेवा जाल बन चुकी है।

अंकित सोनी की जागीर

बनी सरकारी सड़क

हरत की बात तो यह है कि यह सड़क अभी अपने मेटेनैस और गारंटी पीरियड में थी। मूल सड़क का निर्माण करने वाली एजेंसी सीरव अट्रैक्शंस का साफ तौर पर दर्द छलका है कि क्रॉसिंग के लिए पहले से ही मजबूत पुलिया मौजूद थी। इसके बावजूद नगर परिषद के ठेकेदार अंकित सोनी ने बिना कोई अनुमति लिए, बिना किसी से पूछे मनमाने ढंग से सीने को चीरते हुए सड़क तोड़ डाली और दोबारा पुलिया बना दी। सवाल यह उठता है कि आखिर नगर परिषद के एक ठेकेदार में इतनी जुर्रत कहां से आई कि वह साल भर पुरानी करोड़ों की सड़क को अपनी बपौती समझकर

उखाड़ फेंके? क्या पीडब्ल्यूडी का पूरा का पूरा अमला एक ठेकेदार के रसूख के आगे नतमस्तक हो चुका है या फिर इस खुली गुंडागर्दी के पीछे अदृश्य मलाई का खेल चल रहा है?

रद्दी की टोकरी में 181 की शिकायत

शिकायतों के अंबार और फाइलों की स्थिति यह है कि मानों वे भी अब प्रशासनिक लापरवाही देखकर उबासी लेने लगी हैं। पीडब्ल्यूडी विभाग, नगर परिषद और जिम्मेदार अफसरों के दरवाजे कई बार खटखटाए जा चुके हैं। दो महीने पहले पीडब्ल्यूडी की एसडीओ रवीना पटेल को सीधे फोन पर हकीकत बताई गई, सीएम हेल्पलाइन (181) पर भी जनता ने

शिकायत का पचना ठोका। लेकिन जनता की फरियाद साहबों के वातानुकूलित कमरों तक पहुंचते-पहुंचते रद्दी का ढुकड़न बन गई। दो हफ्ते पहले मूल सड़क ठेकेदार ने भी पीडब्ल्यूडी को कार्रवाई के लिए बाकायदा चि्ी लिखी, लेकिन लगता है विभाग के आला अधिकारियों की कलम का पैनापन किसी ठेकेदार की जेब में जाकर गायब हो चुका है। नगर परिषद और पीडब्ल्यूडी की इस मिलीभगत ने पूरे मानपुर को हादसों के मुहाने पर धकेल दिया है। अगर जल्द ही इस गड्ढा स्मारक को भरकर सड़क का कायाकल्प नहीं किया गया, तो जनाक्रोश का यह गुबार सिर्फ सड़कों पर ही नहीं, बल्कि श्रष्ट अधिकारियों की कुर्सियों को भी हिलाकर रख देगा।



खबर संक्षेप



अग्रवाल महिला मंडल अनूपपुर का हुआ गठन पूजा अग्रवाल अध्यक्ष व सीमा अग्रवाल बर्नी सचिव

अनूपपुर। अग्रवाल समाज अनूपपुर में महिलाओं की सामाजिक सहभागिता बढ़ाने एवं समाज के धार्मिक सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यक्रमों को और अधिक व्यवस्थित रूप से संवाहित करने के उद्देश्य से अग्रवाल महिला मंडल अनूपपुर का गठन किया गया नवगठित महिला मंडल में श्रीमती पूजा अग्रवाल को अध्यक्ष श्रीमती सीमा अग्रवाल को सचिव तथा श्रीमती श्वेता अग्रवाल को कोषाध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया है महिला मंडल की कार्यकारिणी में स्वाति अग्रवाल, सरिता अग्रवाल, शालू अग्रवाल, पल्लवी अग्रवाल, रश्मि अग्रवाल, संगीता अग्रवाल, प्रीति प्रकाश अग्रवाल, प्रीति संजीव अग्रवाल, सुश्रूषू अग्रवाल, अंजलि अग्रवाल एवं प्रगति अग्रवाल को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है महिला मंडल के गठन से समाज की महिलाओं में उत्साह का वातावरण है। नवगठित टीम ने समाज की महिलाओं को एकजुट करते हुए सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता निमाने तथा महाराजा अग्नेसन जी के आदर्शों को आगे बढ़ाने की पूरी टीम को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि महिला मंडल समाज की एकता और सामाजिक गतिविधियों को नई ऊर्जा प्रदान करेगा।

प्रतिमाओं का विसर्जन नपा द्वारा बनाये गए कुंड में ही करें-नपाध्यक्ष अजय सराफ



कोतमा। नगर सहित कोयलांचल एवं ग्रामीण क्षेत्र में दस दिवसीय गणेशोत्सव का पर्व नववाया जा रहा है। शुक्रवार को गणेशोत्सव के समापन के साथ ही घरों और सार्वजनिक स्थलों पर विराजित की जाने वाली प्रतिमाओं के विसर्जन का सिलसिला शुरू हो जाएगा। जिसे देखते हुए नगर के वार्ड क्रमांक सात बुढानपुर रोड के पास बनाए गए विसर्जन कुंड स्थल की साफ सफाई नपा के द्वारा शुरू करवा दिया गया है। इस बार तेज बारिश होने के कारण नदियों का जलस्तर बढ़ा है, जिसे देखते हुए प्रशासन, भगवान गणेश की प्रतिमाओं का विसर्जन सुरक्षित तरीके से हो, इसके लिए नगर पालिका के द्वारा विसर्जन कुंड के साथ ही विसर्जन स्थल की साफ सफाई के साथ ही रोशनी की व्यवस्था भी करवाया जा रहा है। नगर पालिका अध्यक्ष अजय कुमार सराफ ने बताया कि विसर्जन के दौरान, व्यवस्था को लेकर किए जाने वाले कार्यों के साथ ही विसर्जन स्थल पर पर्याप्त लाईट व्यवस्था के साथ ही दिशा सूचक और बैनर लगावारे जायेगे ताकि पूरी सुरक्षा और सावधानी के साथ श्रद्धालु गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन कर सके। नगर पालिका अध्यक्ष अजय कुमार सराफ ने सभी गणेश उत्सव समिति एवं घरों में स्थापित की गई प्रतिमाओं का विसर्जन कुंड में करने की अपील की है। विसर्जन के दौरान स्थलों पर प्रशासन और पुलिस की चाक चौबंद व्यवस्था होगी। विसर्जन के दौरान सुरक्षात्मक और सावधानी पूर्वक तथा किसी भी धार्मिक भावना आहत ना हो, इसका पूरा ध्यान रखा जाएगा।

केंद्रीय विद्यालय अनूपपुर में ‘विकसित भारत की संकल्पना’ विषय पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित

अनूपपुर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत ‘मेरे सपनों का भारत’ कार्यक्रम के तहत केंद्रीय विद्यालय अनूपपुर में ‘विकसित भारत की संकल्पना’ विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए विकसित भारत को लेकर अपने विचारों एवं कल्पनाओं को निबंध के माध्यम से अभिव्यक्त किया। विद्यार्थियों ने अपनी लेखन प्रतिभा और रचनात्मक सोच का परिचय देते हुए प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर भाग लिया। विद्यार्थियों ने अपने निबंधों में सशक्त, समृद्ध, शिक्षित, आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत की परिकल्पना को रेखांकित किया। उन्होंने शिक्षा, नवाचार, आत्मनिर्भरता, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और तकनीकी प्रगति जैसे विषयों के माध्यम से विकसित भारत के निर्माण में युवा पीढ़ी की भूमिका को अपने विचारों में प्रस्तुत किया।

अनूपपुर, कोतमा, बिजुरी, अमरकंटक, राजेन्द्रग्राम, जैतहरी

एनजीटी के निर्देशों के पालन में नगर परिषद ने लगाया जागरूकता बोर्ड

नर्मदा तट से 300 मीटर तक निर्माण प्रतिबंधित

अमरकंटक की प्राकृतिक विरासत बचाने पर जोर

अमरकंटक। मां नर्मदा के उद्गम स्थल अमरकंटक में अब नदी तट से 300 मीटर का दायरा निर्माण गतिविधियों से मुक्त रहेगा। नर्मदा तट की प्राकृतिक संरचना और पर्यावरणीय सुरक्षा को लेकर नगर परिषद ने एनजीटी के निर्देशों की जानकारी सार्वजनिक करते हुए जागरूकता बोर्ड लगाया है। बोर्ड के जरिए नागरिकों और भवन निर्माताओं को स्पष्ट संदेश दिया गया है कि निर्धारित प्रतिबंधित क्षेत्र में निर्माण कार्य न किया जाए और किसी भी निर्माण से पहले संबंधित नियमों व अनुमति की स्थिति की जानकारी ली जाए। अमरकंटक की पहचान केवल धार्मिक और आध्यात्मिक नगरी के रूप में नहीं, बल्कि नर्मदा के उद्गम और प्राकृतिक विरासत के कारण भी है। ऐसे में नदी तट के आसपास अनियंत्रित निर्माण को लेकर **नियमों की जानकारी सार्वजनिक करना महत्वपूर्ण माना जा रहा है।**

नगर परिषद के लगाए बोर्ड में राष्ट्रीय हरित अधिकरण के निर्देशों के अनुसार नर्मदा नदी तट से 300 मीटर तक निर्माण प्रतिबंधित होने की जानकारी अंकित है। इसका उद्देश्य आम लोगों, भवन निर्माताओं और संबंधित पक्षों को प्रतिबंधित क्षेत्र की जानकारी देना तथा नियमों के पालन के प्रति जागरूक करना है। नर्मदा तट का संरक्षण अमरकंटक की धार्मिक आस्था के साथ उसके प्राकृतिक स्वरूप और पर्यावरणीय संतुलन से भी जुड़ा है। नगर परिषद की इस पहल से लोगों को निर्माण संबंधी प्रतिबंधों की जानकारी मिलने के साथ तट क्षेत्र को



सुरक्षित रखने के लिए जन-जागरूकता बढ़ने की उम्मीद है। प्रतिबंधित क्षेत्र की सटीक सीमा, निर्माण की अनुमति तथा अन्य लागू प्रावधानों के लिए संबंधित विभाग के आधिकारिक निर्देशों का पालन आवश्यक होगा।

तट की सुरक्षा के लिए नियमों की जानकारी

अमरकंटक धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टि से देशभर में विशेष पहचान रखता है। मां नर्मदा का उद्गम स्थल होने के कारण यहां नर्मदा नदी और उसके तटवर्ती क्षेत्र का महत्व और बढ़ जाता है। नदी तट केवल धार्मिक आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि प्राकृतिक और पर्यावरणीय दृष्टि से भी महत्वपूर्ण क्षेत्र है। इसी को ध्यान में रखते हुए तट से जुड़े निर्माण संबंधी प्रतिबंधों की जानकारी लोगों तक पहुंचाने के लिए नगर परिषद ने बोर्ड लगाया है। बोर्ड के माध्यम से यह संदेश दिया गया है कि नर्मदा नदी के तट से निर्धारित 300 मीटर के दायरे में निर्माण कार्य नहीं किया जाए। साथ ही भवन निर्माण से जुड़े लोगों को नियमों की जानकारी लेने और संबंधित विभाग के निर्देशों का पालन करने के लिए जागरूक किया गया है।

अमरकंटक तक रेल की उम्मीद फिर जगी, केंद्र के दरवाजे पर पहुंची वर्षों पुरानी मांग

विधायक ओमकार सिंह मरकाम ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को लिखा पत्र

प्रस्तावित रेल लाइन के

अंतिम स्थल सर्वे को

शीघ्र मंजूरी देने की मांग

अमरकंटक। मां नर्मदा की उद्गम स्थली अमरकंटक को रेल नेटवर्क से जोड़ने की वर्षों पुरानी मांग एक बार फिर केंद्र के दरवाजे तक पहुंची है। डिंडोरी विधायक एवं मध्यप्रदेश शासन के पूर्व कैबिनेट मंत्री ओमकार सिंह मरकाम ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर पेंड्रा रोड, अमरकंटक, डिंडोरी, मंडला, घंसौर, लखनादौन, गोटेगांव/श्रीधाम प्रस्तावित रेल कॉरिडोर के फाइनल लोकेशन सर्वे (एफएलएस) को शीघ्र स्वीकृति देने का आग्रह किया है। पत्र सामने आने के बाद अमरकंटक सहित आदिवासी और वनांचल क्षेत्रों में वर्षों से चली आ रही रेल संपर्क की उम्मीद को फिर नई आवाज मिली है। विधायक मरकाम ने अपने पत्र में प्रस्तावित रेल मार्ग को नर्मदा-विंध्य रेल कॉरिडोर के रूप में उल्लेखित किया है। उनके अनुसार यह परियोजना मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के आदिवासी बहुल एवं वनांचल क्षेत्रों के बीच संपर्क मजबूत करने के साथ अमरकंटक,



डिंडोरी, मंडला, घंसौर, लखनादौन और गोटेगांव जैसे क्षेत्रों के विकास को नई गति दे सकती है। रेल संपर्क स्थापित होने से इन क्षेत्रों में आवागमन, शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार और पर्यटन के क्षेत्र में संभावनाएं बढ़ने की बात पत्र में कही गई है। विशेष रूप से अमरकंटक जैसे प्रमुख धार्मिक एवं प्राकृतिक पर्यटन स्थल को रेल नेटवर्क से जोड़ने की मांग लंबे समय से उठती रही है।

सड़क पर निर्भर अमरकंटक, रेल कनेक्टिविटी का इंतजार

अमरकंटक में प्रतिवर्ष देश के विभिन्न हिस्सों से श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचते हैं। मां नर्मदा उद्गम, कपिलधारा, सोममुड़ा और आसपास के धार्मिक एवं प्राकृतिक स्थलों के कारण यहां वर्षभर

पर्यटकों की आवाजाही बनी रहती है। इसके बावजूद अमरकंटक की सीधी रेल कनेक्टिविटी नहीं है और यात्रियों को अंतिम चरण की यात्रा सड़क मार्ग से करनी पड़ती है। ऐसे में प्रस्तावित रेल लाइन को केवल परिवहन परियोजना के बजाय धार्मिक पर्यटन, स्थानीय कारोबार और वनांचल के सामाजिक-आर्थिक विकास से जुड़ी बड़ी संभावना के तौर पर देखा जा रहा है।

मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ के बीच मजबूत होगा संपर्क

प्रस्तावित रेल मार्ग पेंड्रा रोड से अमरकंटक होते हुए डिंडोरी, मंडला, घंसौर, लखनादौन और गोटेगांव/श्रीधाम तक पहुंचने की परिकल्पना से जुड़ा है। इससे मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के बीच रेल संपर्क के नए विकल्प विकसित

नदी के तटवर्ती क्षेत्र का संरक्षण धार्मिक आस्था के साथ-साथ पर्यावरणीय दृष्टि से भी आवश्यक है। नगर परिषद द्वारा लगाए गए जागरूकता बोर्ड के जरिए इसी बात को प्रमुखता से सामने रखा गया है कि तट क्षेत्र में निर्माण संबंधी नियमों का पालन किया जाए और प्राकृतिक क्षेत्र को सुरक्षित रखा जाए।

अनुमति और सीमा को लेकर आधिकारिक निर्देश जरूरी

नगर परिषद के सूचना बोर्ड में 300 मीटर तक निर्माण प्रतिबंधित होने की जानकारी दी गई है। हालांकि किसी विशेष भूखंड पर निर्माण की स्थिति, प्रतिबंधित क्षेत्र की सटीक सीमा और अनुमति से जुड़े प्रावधानों के लिए संबंधित विभाग के आधिकारिक नियमों और निर्देशों का पालन करना आवश्यक होगा। नर्मदा तट की सुरक्षा को लेकर जागरूकता बढ़ाने की यह पहल इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि निर्माण से जुड़े लोग पहले से नियमों की जानकारी हासिल कर सकें। इससे बाद में नियमों के उल्लंघन को लेकर उत्पन्न होने वाली स्थिति से भी बचा जा सकता है।

बोर्ड के जरिए सीधा संदेश

नगर परिषद द्वारा लगाए गए बोर्ड में आम नागरिकों और भवन निर्माताओं को स्पष्ट रूप से बताया गया है कि नर्मदा नदी तट से 300 मीटर तक निर्माण कार्य प्रतिबंधित है। इस सूचना के माध्यम से नगर परिषद ने नर्मदा तट की प्राकृतिक एवं पर्यावरणीय सुरक्षा के लिए निर्धारित नियमों के पालन पर जोर दिया है। नर्मदा तट की पवित्रता, प्राकृतिक स्वरूप और पर्यावरणीय संतुलन को बनाए रखने में प्रशासनिक नियमों के साथ जनभावोंदारी भी महत्वपूर्ण है। ऐसे में जागरूकता बोर्ड के जरिए लोगों को नियमों की जानकारी देना संरक्षण की दिशा में एक आवश्यक कदम माना जा रहा है।

अमरकंटक तक रेल की उम्मीद फिर जगी, केंद्र के दरवाजे पर पहुंची वर्षों पुरानी मांग

विधायक ओमकार सिंह मरकाम ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को लिखा पत्र

प्रस्तावित रेल लाइन के

अंतिम स्थल सर्वे को

शीघ्र मंजूरी देने की मांग

अमरकंटक। मां नर्मदा की उद्गम स्थली अमरकंटक को रेल नेटवर्क से जोड़ने की वर्षों पुरानी मांग एक बार फिर केंद्र के दरवाजे तक पहुंची है। डिंडोरी विधायक एवं मध्यप्रदेश शासन के पूर्व कैबिनेट मंत्री ओमकार सिंह मरकाम ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर पेंड्रा रोड, अमरकंटक, डिंडोरी, मंडला, घंसौर, लखनादौन, गोटेगांव/श्रीधाम प्रस्तावित रेल कॉरिडोर के फाइनल लोकेशन सर्वे (एफएलएस) को शीघ्र स्वीकृति देने का आग्रह किया है। पत्र सामने आने के बाद अमरकंटक सहित आदिवासी और वनांचल क्षेत्रों में वर्षों से चली आ रही रेल संपर्क की उम्मीद को फिर नई आवाज मिली है। विधायक मरकाम ने अपने पत्र में प्रस्तावित रेल मार्ग को नर्मदा-विंध्य रेल कॉरिडोर के रूप में उल्लेखित किया है। उनके अनुसार यह परियोजना मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के आदिवासी बहुल एवं वनांचल क्षेत्रों के बीच संपर्क मजबूत करने के साथ अमरकंटक,

सिर्फ रेल लाइन नहीं, विकास के नए रास्ते की उम्मीद

अमरकंटक के लिए इस प्रस्ताव की अहमियत केवल रेल सुविधा तक सीमित नहीं है। रेल संपर्क मिलने पर तीर्थ और पर्यटन गतिविधियों के विस्तार, स्थानीय उत्पादों के बाजार तक पहुंच, विद्यार्थियों और मरीजों की आवाजाही तथा रोजगार के नए अवसरों की संभावनाएं जुड़ती हैं। आदिवासी और वनांचल क्षेत्रों के लिए बेहतर परिवहन संपर्क लंबे समय से विकास की महत्वपूर्ण जरूरत माना जाता रहा है। ऐसे में प्रस्तावित नर्मदा-विंध्य रेल कॉरिडोर की अगली प्रक्रिया को लेकर क्षेत्रवासियों में स्वाभाविक उत्सुकता है। विधायक मरकाम ने पत्र के माध्यम से रेल मंत्रालय से इसी दिशा में शीघ्र कदम उठाने का आग्रह किया है। अब देखना होगा कि वर्षों से चली आ रही अमरकंटक को रेल से जोड़ने की मांग सर्वे की मंजूरी से आगे बढ़कर धरातल पर परियोजना का रूप कब लेती है।



ऑनलाइन फ्रॉड से बचाव और सुरक्षित बैंकिंग के लिए छात्रों को किया जागरूक

तुलसी महाविद्यालय में वित्तीय साक्षरता कैंप आयोजित

अनूपपुर।

वित्तीय जागरूकता बढ़ाने और विद्यार्थियों को बैंकिंग सेवाओं के साथ-साथ ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव के प्रति सजग करने के उद्देश्य से मंगलवार, 22 सितंबर को शासकीय तुलसी महाविद्यालय, अनूपपुर में वित्तीय साक्षरता कैंप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के विद्यार्थियों को वित्तीय लेन-देन में सावधानी बरतने, बचत की आदत विकसित करने तथा बैंकिंग सेवाओं के सुरक्षित उपयोग के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। कैंप का आयोजन समर्पित संस्था द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को वर्तमान समय में बढ़ रहे ऑनलाइन फ्रॉड और साइबर धोखाधड़ी के विभिन्न तरीकों से अवगत कराया गया। विद्यार्थियों को समझाया गया कि किसी अनजान व्यक्ति के साथ बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी, ओटीपी, एटीएम पिन, पासवर्ड अथवा अन्य संवेदनशील जानकारी साझा नहीं करनी चाहिए। ऑनलाइन लेन-देन करते समय सतर्कता बरतने तथा संदिग्ध लिंक और संदेशों से बचने की भी जानकारी दी गई। कार्यक्रम में भारतीय रिजर्व बैंक के एलडीएम राम पूर्वल तथा सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के एलडीएम दिलीप निगम ने विद्यार्थियों को वित्तीय साक्षरता से संबंधित महत्वपूर्ण

जानकारियां प्रदान कीं। उन्होंने बैंकिंग सेवाओं के उपयोग, बचत के महत्व और डिजिटल माध्यम से किए जाने वाले वित्तीय लेन-देन में आवश्यक सावधानियों के बारे में विद्यार्थियों से संवाद किया। इस अवसर पर समर्पित संस्था के आरओ नारायण राठौर ने भी विद्यार्थियों को वित्तीय रूप से जागरूक रहने तथा उपलब्ध बैंकिंग सुविधाओं का समझदारी से उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि डिजिटल बैंकिंग के बढ़ते उपयोग के साथ वित्तीय जानकारी और सतर्कता प्रत्येक व्यक्ति के लिए आवश्यक हो गई है। कैंप में अनूपपुर, कोतमा एवं जैतहरी क्षेत्र की ब्लॉक काउंसलर शिवानी सिंह, मुस्कान केवट एवं रोहित सहित अन्य संबंधित लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने वित्तीय एवं बैंकिंग सेवाओं से जुड़े विषयों पर जानकारी प्राप्त की और अपनी जिज्ञासाओं का समाधान भी किया। आयोजकों ने बताया कि ऐसे वित्तीय साक्षरता कार्यक्रमों का उद्देश्य युवाओं को आर्थिक रूप से जागरूक बनाना और उन्हें सुरक्षित बैंकिंग तथा डिजिटल वित्तीय सेवाओं के प्रति जिम्मेदार बनाना है। महाविद्यालय में आयोजित इस कैंप में विद्यार्थियों की सहभागिता रही और उन्हें दैनिक जीवन में वित्तीय सुरक्षा एवं सावधानी से जुड़े कई महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी मिली।

